

1. महाद्वीपीय मग्न तट :-

महाद्वीपीय " ये तटपर्यंत समुद्री जल के अक्षांशित उल भाग पर हैं जो सागर की ओर विस्तार रखता है महाद्वीपीय मग्न तट का ढाल 1° से 3° के बीच होता है एवं इसकी गहराई $150m$ से $200m$ के बीच होती है इसकी चौड़ाई (औरत) $400m$ होती है महाद्वीपीय मग्न तट विभिन्न महासागरों में अलग-अलग विस्तार रखता है क्योंकि इसके विस्तार पर तटीय भाग की भूकृतिक विशेषताओं का प्रभाव पड़ता है जिब तट के पठार पर्वतीय भाग विस्तृत होता है वहाँ इसकी चौड़ाई कम होती है जैसे प्रशांत महासागर के पूर्वी भाग जिबके पठार हॉकी और रणजीत पर्वत माला अवस्थित है वहाँ मग्न तट नगण्य विस्तार रखता है। इसी प्रकार महापट मैदानी भाग का विस्तार अधिक रहता है वहाँ मग्न तट अधिक चौड़ा होता है जैसे :- उत्तरी पूर्वी लघुभूत राज अपेक्षा महा मग्न तट की औसत चौड़ाई $1200m$ है प्रायद्वीपीय भारत के पश्चिमी तट के पठार विस्तृत मग्न तट

संख्या 7.5

पूर्वी घाट के तुलना में अधिक विस्तार रखता है क्योंकि पश्चिम घाट का पश्चिम भाग बस गया है जिसपर जल अक्षाधिक हो गया है। पूर्वी घाट के सहारे नदियाँ हैं लगातार अवसाद का जमाव किया जाता इसलिए यहाँ महाद्वीपीय मग्न तट की विस्तार 70% अधिक है।

महाद्वीपीय मग्न तट के उत्पत्ति के कारण :-

- ① अपरदनात्मक कारण
- ② निक्षेपात्मक कारण
- ③ प्रसरण कारण

महाद्वीपीय मग्न तट के निर्माण में ग्रेनाइटीक एवं दोलराइटीक चट्टानों की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। महाद्वीपीय मग्न तट पर स्थल जनित अवसाद का निक्षेप रहता है यह संसाधनों से भरपूर क्षेत्र होता है जैसे त्रिहो लियन प्राकृतिक गैस, कोयला, लवण, खनिज खनिज पदार्थ एवं मत्स्य पालन

2. महाद्वीपीय मग्न ढाल :-

का विस्तार महाद्वीपीय मग्न तट एवं महासागारिय मैदान के बीच होता है इसकी गहराई 9660 मीटर तक होती है इसका औसत ढाल 1° था इससे अधिक होता है दोल पॉल आइलैंड के पास इसका ढाल 80° के अधिक है जबकी दक्षिण

के पाप 5° से 15° के महाक्षीपय ढाल पर बड़े आकार की व अवसाद निक्षेपित नहीं है। पात्र है वहाँ से सरबकर महासागरी मैदान में आ जाते हैं परंतु महा हलके पहाड़ों का निक्षेप होता है मंद ढाल निम्न लिखित प्रकार के होते हैं :-

विश्व के विभिन्न भागों का ढाल क्षेत्र

मैद क्षेत्र	35°-40°
खेद पर्वत	62°
स्वर्ण क्षेत्र	30°
मालीकट	5°-15°

- 1) मंद ढाल
- 2) शिबि -
- 3) श्रंखित ढाल
- 4) सीढ़ीनुमा -
- 5) लघुक्षी पर्वत के बहाते विकसित ढाल

पुरे लघुक्षी उच्चायक

के 8.5% पर महाक्षीपय मग्न ढाल का विस्तार है

पात्र का नाम	क्षेत्रफल	ढाल का कोण
1. अटलांटिक महासागर	- 12.4%	- 50.2'
2. प्रसांद्र	- 7%	- 30.5'
3. हिंद	- 8.5%	- 20.55'

महाक्षीपय मग्न ढाल

का लंबाई के विस्तार 50 अंशों के अक्षांश से 70° के अक्षांश तक है। मग्न ढालों पर ही ट्रेन्च, सब मैरिन बेनिथन पाये जाते हैं।

3. उच्चक्षीपय - 1) महासागरीय तटों पर अवसाद
 2) निक्षेप
 3) मग्न ढाल

लवणयुक्त गहरा जल
 पैलियाता हैच है (11.24%) विभिन्न महासागरों
 में जलों का विस्तार ① प्रसार महासागर-1.8%

② अटलांटिक महासागर 20.6 %

③ हिंद → -0.4 %

5
 Bank shelf तथा Reef
 ढल, खात तथा मिट्टे !
 ↓ ↓
 अपक्षत निक्षेप

कैवली
 गहराई 20 म
 से अधिक होती
 है

ढल का निर्माण अपरक प्रक्रिया के कालक्रम
 होता है इसकी गहराई खात से अधिक
 होती है तटीय भाग में ही मलय
 कक्ष अवस्थित है जिसे Bank कहा
 जाता है जैसे :- Grand Bank,
 - डीगर बैंक इत्यादि।
 Digger

खात का निर्माण

निक्षेपण प्रक्रिया द्वारा होता है यहाँ
 खात की गहराई 20 म से कम होती है
 जिस कारण बौलन्वलयन में समलया
 जाती है

मिट्टी का निर्माण

अधिक पदार्थों के निक्षेपण से होता है
 जिसमें प्रवाल मिट्टी और महत्वपूर्ण है
 यह तीन प्रकार के होते हैं

- तृतीय प्रवाल भित्ति
- भवलोच्य ॥ ॥
- एटोल (Atoll) —

एक एक बड़ा लिग्नाइट ग्रैंड कैंटियर रिज हैं।

उपभुक्त तथ्यों के विरलेषण

से स्पष्ट है नवीन अनुसंधान ने यह सिद्ध कर दिया है कि वे क्षेत्रों की स्थलीय भाग की तुलना सागराध्य भाग में विविधता रही प्रायिक विद्यमान है अभी विविधता मानव को सागराध्य अनुसंधान में संजो भेदा करता है क्योंकि मानव का प्रायिक सागर में स्थित दिखाई पड़ता है